पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2021-23 प्रकाशित 01.08.2022 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दानदाताओं से अपील

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली—110007, आई. एफ. एस.कोड - SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868051444 पर एस.एम.एस कर दें या 9958889970 पर Paytm कर दें। — अनिल आर्य

वर्ष-39 अंक-05 श्रावण-2079 दयानन्दाब्द 199 01 अगस्त से 15 अगस्त 2022 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.08.2022, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

श्री अनिल आर्य पुनः राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी व अंतरंग सभा की बैठक महर्षि दयानंद भवन, आसिफ़ अली रोड, नई दिल्ली में सोल्लास सम्पन्न हुई, जिसमे कई प्रान्तों के प्रतिनिधि सम्मिलित हुए।

राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने आगामी 2022—2024 के सत्र के लिए अनिल आर्य के नाम का प्रस्ताव राष्ट्रीय अध्यक्ष हेतु रखा व धर्मपाल आर्य, यशोवीर आर्य ने

अनुमोदन किया व सर्वसम्मति से नयी कार्यकारिणी, अन्तरंग सभा व प्रान्तीय अध्यक्ष मनोनीत करने का उन्हें अधिकार दिया गया।

उन्होंने यशोवीर आर्य, रामकुमार आर्य, रामकृष्ण शास्त्री, स्वतंत्र कुकरेजा को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, महेन्द्र भाई—राष्ट्रीय महामंत्री एवम प्रवीन आर्य, दुर्गेश आर्य, देवेन्द्र भगत को राष्ट्रीय मंत्री साथ ही धर्मपाल आर्य को कोषाध्यक्ष, आचार्य गवेन्द्र शास्त्री, चंद्र शेखर शर्मा को राष्ट्रीय बौद्धिक अध्यक्ष मनोनीत करने की घोषणा की शेष पूरी टीम की शीघ्र घोषणा की जाएगी।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

श्रावणी पर देशभर में युवा संस्कार अभियान चलाएगा आर्य समाज

मातृ पितृ, ईश्वर भक्त व देश भक्त युवा राष्ट्र का आधार—राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

रविवार,17 जुलाई 2022,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी व अंतरंग सभा की बैठक सार्वदेशिक सभा, दयानन्द भवन, आसिफ़ अली रोड नई दिल्ली मे राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें देश के विभिन्न प्रांतों के आर्य प्रतिनिधियों ने भाग लिया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आर्य युवक परिषद युवाओं के चरित्र व संस्कार के लिये श्रावणी पर्व पर 'युवा संस्कार अभियान' दिनांक 6 अगस्त से 15 अगस्त 2022 तक देशभर में चलायेगी। इसमें 12 से 25 वर्ष तक के लगभग 15,000 युवाओं को यज्ञोपवीत धारण करवाया जायेगा। यज्ञ, भजन व वैदिक विद्ववानों के प्रवचन होंगे व राष्ट्ररक्षा की शपथ दिलवाई जायगी। जिससे नयी पीढ़ी भारतीय संस्कृति से परिचित हो सके। आज युवा पीढ़ी पाश्चात्य संस्कृति की और अग्रसर हो रही है उन्हें अपनी गौरव शाली संस्कृति से परिचय करवाया जाए जिससे वह अपनी संस्कृति पर गर्व कर सकें। संचालन राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने किया,उन्होंने कहा कि यज्ञ समर्पण का दूसरा नाम है यज्ञ स्वयं जल कर प्रकाश करने का नाम है यह त्याग बलिदान की प्रेरणा देता है।राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा विभिन्न प्रांतों के प्रतिनिधियों को युवा संस्कार अभियान हेतु हवन की किट भेंट की गई। सर्वश्री रामकृष्ण शास्त्री, अजय कपूर,नरेश चन्द्र, श्रुति विजय सेतिया आदि के भजन हुए। इस अवसर पर यशोवीर आर्य, धर्मपाल आर्य, सुरेशआर्य यज्ञवीर चौहान, देवेन्द्र गुप्ता त्रिलोक शास्त्री (गाजियाबाद), सूर्यदेव आर्य, योगेन्द्र शास्त्री (जींद), दुर्गेश आर्य, कृष्ण लाल राणा, रामफल खर्ब, कृष्ण लाल राणा, वेदप्रकाश आर्य,संतोष शास्त्री, गोपाल जैन, गोपाल आर्य, अशोक जांगड़, चन्द्र शेखर (मध्य प्रदेश), राम कुमार आर्य, वेद प्रकाश शास्त्री, डा गजराज (फरीदाबाद) आचार्य गवेंद्र शास्त्री, कैप्टन अशोक गुलाटी, जितेंद्र जी (नोएडा) धीरेंद्र जी,राम किशोर यादव, रामदेव आर्य, राम चंद्र आर्य, प्रेमचंद शास्त्री, ओम पाल आर्य, अतुल सहगल आदि उपस्थित थे।

॥ ओ३म् ॥

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अनिल आर्य जी के नेतृत्व में

श्रावणी पर्व : युवा संस्कार अभियान

आओ, नयी पीढ़ी को मातृ पितृ, ईश्वर भक्त व देश भक्त बनायें

जहां नहीं होता कभी विश्राम • आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

75 भारत अमृत महोत्सव हर राह पर बढ़ते कदम

मिशन-25, यानि कि 12 से 25 वर्ष तक के युवाओं को आर्य समाज के साथ जोड़ना

10 दिन में 44 कार्यक्रम : दिनांक 6 अगस्त 2022 से 15 अगस्त 2022 तक

विस्तृत कार्यक्रम

1. **शनिवार, 6 अगस्त 2022, प्रातः 9.00 बजे**
स्थान : टी.पी.डी.डी. एल सेन्टर, पी-4, जगदम्बा मार्केट सुलतानपुरी, दिल्ली, संयोजक: राधा भारद्वाज-7840861114
2. **शनिवार, 6 अगस्त 2022, प्रातः 8.30 बजे**
स्थान: कमला नेहरू पब्लिक स्कूल SGM नगर NIT फरीदाबाद
संयोजक: श्रीमती ज्योति आर्या- 9818699097
3. **शनिवार, 6 अगस्त 2022, प्रातः 9.00 बजे**
स्थान: जय हिन्द पब्लिक स्कूल, ग्राम-बराह कलां जीन्द, हरियाणा
संयोजक: सूर्यदेव आर्य, योगेन्द्र शास्त्री, वीरेन्द्र आर्य-9416715537
4. **शनिवार, 6 अगस्त 2022, प्रातः 10.00 बजे**
स्थान: माता मूर्ति देवी आर्य पब्लिक स्कूल, के-160, जहांगीरपुरी दिल्ली-33
संयोजक: गजेन्द्र आर्य,-8851552008
5. **रविवार, 7 अगस्त 2022, प्रातः 6.30 बजे**
स्थान: राममनोहर लोहिया पार्क, राजेन्द्र नगर, साहिबाबाद
संयोजक: कृष्ण कुमार यादव, बिजेन्द्र मास्टर, सुरेश आर्य-9810189585
6. **रविवार, 7 अगस्त 2022, दोपहर: 3.00 बजे**
स्थान: गली नं.-3, अशोक नगर, पूर्वी दिल्ली-110093
संयोजक: सोनिया सन्जु, वेदप्रकाश आर्य-7011249922, 9810487559
7. **रविवार, 7 अगस्त 2022, प्रातः 8.00 बजे**
स्थान : आर्य समाज ब्रह्मपुरी, पूर्वी दिल्ली
संयोजक: आचार्य सुन्दर शास्त्री, 8130404584
8. **रविवार, 7 अगस्त 2022, प्रातः 9.00 बजे**
स्थान: अमर कालोनी, दक्षिण दिल्ली
संयोजक: राजपाल प्रधान बालियान
9. **रविवार, 7 अगस्त 2022, प्रातः 9.00 बजे**
स्थान: 221, ज्ञान खण्ड-1, इन्दिरापुरम, गाजियाबाद
संयोजक: ममता चौहान, देवेन्द्र गुप्ता-9990576680
10. **रविवार, 7 अगस्त 2022, प्रातः 10.00 बजे**
स्थान: टीनु पब्लिक स्कूल, संगम विहार, दक्षिण दिल्ली
संयोजक: देवदत शर्मा, रामफल खर्ब, रामनिवास खोखर-9999162077
11. **रविवार, 7 अगस्त 2022, प्रातः 5.30 बजे**
स्थान: जानकी वाटिका, नेहरू नगर, गाजियाबाद
-वर्षा की स्थिति में संत निवास में कार्यकम होगा-
संयोजक: वीना वोहरा, प्रवीन आर्य,-9911404423
12. **रविवार, 7 अगस्त 2022, प्रातः 8.30 बजे**
स्थान: आर्य समाज माडल बस्ती, करोल बाग, मध्य दिल्ली,
संयोजक: आदर्श आहुजा, गोपालकृष्ण जैन, प्रदीप गोगिया-9810756571
13 **रविवार, 7 अगस्त 2022, प्रातः 9.00 बजे**
स्थान: विद्या प्रकाश हाई स्कूल रोहतक
संयोजक: अशोक जांगड़,-9813382618
14. **रविवार, 7 अगस्त 2022, प्रातः 8.30 बजे**
स्थान: ग्राम बहराबाद, अतरौली, जिला-अलीगढ़ उ.प्र.
संयोजक: भुवनेश कुमार, प्रदीप कुमार, सुशील कुमार, कमल आर्य,-9968519292
15. **रविवार, 7 अगस्त 2022, प्रातः 10.00 बजे**
स्थान: महर्षि बाल्मिकी वाटिका, डी-ब्लाक, मंगोलपुरी, दिल्ली-110083
संयोजक: महेन्द्र टांक, जगदीशरण आर्य, राजेन्द्र आर्य, सुरेश आर्य-9911161634
16. **सोमवार, 8 अगस्त 2022, प्रातः 8.00 बजे**
स्थान: वोकेशनल ट्रेनिंग सेन्टर, ग्राम-जौन्ती दिल्ली देहात
संयोजक: दशरथ भारद्वाज,-7840861115
17. **सोमवार, 8 अगस्त 2022, प्रातः 8.00 बजे**
स्थान: सैनी सीनियर सैकेण्डरी पब्लिक स्कूल, 45 फुट रोड भारत कालोनी पुराना फरीदाबाद
संयोजक: श्री हरपाल सिंह सैनी - 9999000684
18. **सोमवार, 8 अगस्त 2022, प्रातः 8.00 बजे**
स्थान: राजकीय गर्ल्स हाई स्कूल, सैक्टर-13, करनाल, हरियाणा
संयोजक: स्वतंत्र कुकरेजा-9813041360, अजय आर्य, रोशन आर्य
19. **मंगलवार, 9 अगस्त 2022, प्रातः 8.00 बजे**
स्थान: श्रद्धा मन्दिर पब्लिक स्कूल, मास्टर रोड, सैक्टर-89, फरीदाबाद
संयोजक: डा. गजराजसिंह आर्य,-9213771515
20. **मंगलवार, 9 अगस्त 2022, प्रातः 9.00 बजे**
स्थान : आर्य समाज देव नगर, आनन्द पर्वत, मध्य दिल्ली
संयोजक: सुशील बाली, एडवोकेट, गोपाल जैन,-9811213138
21. **मंगलवार, 9 अगस्त 2022, सायं 5.00 बजे**
स्थान: आर्य समाज, भलस्वा, दिल्ली
संयोजक: नन्द लाल शास्त्री -9868558698
22. **मंगलवार, 9 अगस्त 2022, सायं 5.30 बजे**
स्थान: आर्यन कलासेज, विश्वास नगर, शाहदरा, दिल्ली
संयोजक: महेश भार्गव,-9811569260
23. **बुधवार,10 अगस्त 2022, प्रातः 9.00 बजे**
स्थान: निधि पब्लिक स्कूल, भारत कालोनी, फरीदाबाद
संयोजक: श्री अनुज प्रताप सिंह आर्य-9654584811
24. **मास्टर मनोहर लाल चावला को समर्पित**
बुधवार,10 अगस्त 2022, प्रातः 9.00 बजे
स्थान: विजय हाई स्कूल, सिक्का कॉलोनी, सोनीपत हरियाणा
संयोजक: शालिनी व जितेंद्र चावला, हरिचंद स्नेही-9812554123
25. **बुधवार,10 अगस्त 2022, प्रातः 10.30 बजे**
स्थान: भोपानी पब्लिक स्कूल, भोपानी मोड़, फरीदाबाद
संयोजक: श्री अभिषेक कुमार आर्य -8586004386
26. **शुक्रवार, 12 अगस्त 2022, प्रातः 11.00 बजे**
स्थान: अपना बचपन स्कूल, सिंघोल गांव, नरेला दिल्ली
संयोजक: राज खत्री, रणबीर सिंह, अरूण आर्य,-9818530543
27. **शुक्रवार, 12 अगस्त 2022, प्रातः 8.00 बजे**
स्थान: न्यू जान एफ कैनेडी पब्लिक स्कूल, गली-1, शिव कालोनी, पल्ला नं.-1, फरीदाबाद
संयोजक: विद्याभूषण आर्य -9999108200
28. **शनिवार, 13 अगस्त 2022, दोपहर 3.00 बजे**
स्थान: आर्य समाज, मोहन गार्डन, उत्तम नगर, दिल्ली-110059
संयोजक: मानवेन्द्र शास्त्री, गौरव झा, केशव आर्य -9213326949, 7530933209
29. **रविवार, 14 अगस्त 2022, प्रातः 8.30 बजे**
स्थान: आर्य समाज, नगर शाहदरा, पूर्वी दिल्ली
संयोजक: राजकुमार कपूर, राजीव कोहली,-8700739759
30. **रविवार, 14 अगस्त 2022, प्रातः 8.00 बजे**
स्थान: आर्य समाज, सन्देश विहार, पीतमपुरा, दिल्ली
संयोजक: दुर्गेश आर्य, देवमित्र आर्य, वरूण आर्य, शिवा टांक,-9868664800
31. **रविवार, 14 अगस्त 2022, सायं 4.00 बजे**
स्थान: हनुमान चालिसा केन्द्र, प्राचीन भेरों मन्दिर निकट टी-1128, मंगोलपुरी, दिल्ली
संयोजक: धर्मपाल आर्य, ललित किशोर-9871581398
32. **रविवार, 14 अगस्त 2022, प्रातः 8.00 बजे**
स्थान: बी-43/1, ईस्ट ज्योति नगर, पूर्वी दिल्ली
संयोजक: रामकुमारसिंह आर्य-9868064422
33. **रविवार, 14 अगस्त 2022, प्रातः 10.00 बजे**
स्थान: वैदिक ज्ञान आश्रम, रेलवे वर्कशाप रोड, यमुना नगर, हरियाणा
संयोजक : डा. सौरभ आर्य, सतीश सोनी-9813739000
34. **रविवार, 14 अगस्त 2022, प्रातः 7.00 बजे**
स्थान: गली नं.10, आनन्द पर्वत, मध्य दिल्ली
संयोजक : राकेश आर्य, रोहित सिंह, एम.डी. अमजद-7503614065
35. **रविवार, 14 अगस्त 2022, प्रातः 11.00 बजे**
स्थान: श्रीकृष्ण आशियाना डेवलपर्स, बस स्टेण्ड, लामपुर गांव, नरेला, दिल्ली
संयोजक : अरूण आर्य, रणबीर सिंह, अनिल पवार, शशिबाला-8851822340
36. **रविवार, 14 अगस्त 2022, प्रातः 8.00 बजे**
स्थान: आर्य समाज, महावीर नगर, पश्चिमी दिल्ली-110018
संयोजक: दिनेश आर्य, अतुल खन्ना, मायाराम शास्त्री,-9213637558
37. **रविवार, 14 अगस्त 2022, प्रातः 7.30 बजे**
स्थान: आर्य समाज, हापुड़, उ.प्र.
संयोजक: पवन आर्य, सन्दीप आर्य-8433280193
38. **रविवार, 14 अगस्त 2022, प्रातः 9.00 बजे**
स्थान: ग्राम-फतेहपुर, बेरी, दक्षिण दिल्ली
संयोजक: बिजेन्द्र चौहान-9810945575
39. **रविवार, 14 अगस्त 2022, प्रातः 10.00 बजे**
स्थान: अमृत विहार बुराड़ी दिल्ली
संयोजक: देवेन्द्र आर्य-9958229586
40. **सोमवार, 15 अगस्त 2022, प्रातः 9.00 बजे**
स्थान: आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007
संयोजक: रामचन्द्रसिंह, सुनील खुराना, देवेन्द्र आर्य-9289357210
41. **सोमवार, 15 अगस्त 2022, प्रातः 10.30 बजे**
स्थान: आर्य समाज वजीरपुर जे.जे. कालोनी, दिल्ली
संयोजक: आचार्य प्रेमपाल शास्त्री, भूदेव आर्य, सन्तोष शास्त्री, वीरेश आर्य-9868754140
42. **सोमवार, 15 अगस्त 2022, प्रातः 7.30 बजे**
स्थान: ए-ब्लाक पार्क, डेल्टा प्रथम, ग्रेटर नोएडा, उ.प्र.
संयोजक: अरविन्द शर्मा, कमल आर्य-9968519292
43. **सोमवार, 15 अगस्त 2022, प्रातः 7.30 बजे**
स्थान: राजकीय प्राथमिक विद्यालय, ग्राम नादोन, जिला-हाथरस, उ.प्र.
संयोजक: जितेन्द्र आर्य, केदारनाथ आर्य
44. **सोमवार, 15 अगस्त 2022, सायं 3.30 बजे**
स्थान: आर्य समाज, सूर्य निकेतन, विकास मार्ग, पूर्वी दिल्ली
संयोजक: यशोवीर आर्य,-9312223472

कृप्या अपने निकट के कार्यक्रम में सपरिवार सम्मिलित हो।

दर्शनाभिलाषी-

अनिल आर्य, राष्ट्रीय अध्यक्ष	महेन्द्र भाई, महामंत्री	धर्मपाल आर्य, कोषाध्यक्ष	रामकुमार सिंह, प्रदेश संचालक	अरुण आर्य, प्रांतीय महामंत्री
9810117464	9013137070	9871581398	9868064422	9818530543

कार्यालय: आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, फो-9868051444, 7550568450, 9958889970

Email:aryayouth@gmail.com, dkbhagat@gmail.com, mkp8595@gmail.com || www.facebook.com/groups/aryayouth

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल में भी 424वां वेबिनार सम्पन्न

हमारी सभ्यता और संस्कृति पर गोष्ठी सम्पन्न

शुक्रवार 29 जुलाई 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'हमारी सभ्यता और संस्कृति' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल मे 424वां वेबिनार था। वैदिक विद्वान आचार्य विद्या प्रसाद मिश्र ने कहा कि संस्कृति हमारे जीवन का आधार है, हमें भारतीय संस्कृति पर गर्व करना चाहिए। विश्व में हमारी संस्कृति पुरातन और सर्वश्रेष्ठ है। सभ्यता का सम्बंध बाहर से और संस्कृति का सम्बंध अंदर से है। सभ्यता भौतिक उन्नति से जुड़ी है और संस्कृति व्यवहार से जुड़ी है इसलिए हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहना चाहिए सुसंस्कृत व्यक्ति हर जगह सम्मान प्राप्त करता है। कपड़े पहनावा, रहन सहन वास्तु कला सभ्यता की पहचान है और अतिथि सत्कार, नम्रता हमारी संस्कृति का परिचायक है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि संस्कृति आचरण और व्यवहार का परिचय देती है। मुख्य अतिथि हापुड़ से आनंदप्रकाश आर्य व अध्यक्ष शिक्षाविद विद्याभूषण आर्य ने भी गौरवशाली संस्कृति अपनाने पर बल दिया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि हमारे पर्व संस्कृति का बोध करवाते हैं। गायक रविन्द्र गुप्ता, कुसुम भंडारी, कमलेश चांदना, आशा आर्या,रजनी गर्ग, रजनी चुघ, सुनीता अरोड़ा, प्रतिभा कटारिया, संतोष धर, सुषमा गोगलानी, चंद्र कांता गेरा, प्रवीना ठक्कर, विजय खुल्लर, शोभा बत्रा,जनक अरोड़ा आदि ने मधुर गीत सुनाए और तीज की बधाई दी।

23वें कारगिल विजय दिवस पर आर्य जगत की श्रद्धांजलि

मंगलवार, 26 जुलाई 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 23वें 'कारगिल विजय दिवस' पर ऑनलाइन सभा का आयोजन कर भारतीय सेना के शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यह कोरोना काल मे परिषद का 422वां वेबिनार था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आज हमारे ओजस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश महाशक्ति बनने की ओर निरन्तर अग्रसर हो रहा है साथ ही हमारी सेना आधुनिक व सशक्त हो रही है, जिससे भारत की और कोई आंख उठाकर न देख सके। उन्होंने कहा कि आज प्रत्येक नागरिक का सैनिकीकरण आवश्यक हो गया है अग्निवीर योजना उसी की एक कड़ी है युवाओ को सेना में भर्ती होना चाहिए जिससे राष्ट्र मजबूत हो। 'अग्निवीर योजना' को सफल बनाना ही कारगिल के शहीद सैनिकों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने युवकों को देश भक्ति की भावना से ओतप्रोत करने पर बल दिया। हमें अपनी भारतीय सेना पर गर्व है जो लोग भारतीय सेना पर सवाल उठाते हैं वह क्षमा योग्य नहीं हो सकते। वैदिक विद्वान आचार्य हरिओम शास्त्री ने स्वतंत्रता संग्राम में आर्य समाज के योगदान की चर्चा की,उन्होंने कहा कि महर्षि दयानन्द सत्य पथ के अनुगामी थे उन्होंने कभी सिद्धांत विरुद्ध समझोता नहीं किया। मुख्य अतिथि शिक्षाविद एन पी वर्मा (कोडरमा झारखण्ड) व सोहन लाल आर्य ने भी शहीदों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उल्लेखनीय है कि यह युद्ध आधिकारिक रूप से 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ। इस युद्ध के दौरान 550 सैनिकों ने अपने जीवन का बलिदान दिया और 1400 के करीब घायल हुए थे।

'सच्चा गुरू कौन' पर आर्य गोष्ठी सम्पन्न

बुधवार 20 जुलाई 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'सच्चा गुरू कौन' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कॅरोना काल में 420 वा वेबिनार था। वैदिक प्रवक्ता अतुल सहगल ने इस अत्यंत मौलिक और सर्वदा प्रासंगिक विषय को लेते हुए गुरु की विस्तृत परिभाषा प्रस्तुत की और सृष्टि में ज्ञान, शिक्षा और सत्कर्मों की प्रेरणा देने वाले अनेक स्रोतों की चर्चा की स वर्तमान समाज में अनेक प्रकार के शिक्षकों, प्रचारकों, प्रशिक्षण देने वालों और व्यक्तिवाद पर आधारित छोटे छोटे पंथ चलाने वालों को गुरु की संज्ञा दे दी जाती है स पर इनमें सब सच्चे गुरु की श्रेणी में नहीं आते स सच्चा गुरु सच्चे धर्म की शिक्षा देने वाला होता है स वह मनुष्य को उसकी सर्वांगीण उन्नति के पथ पर आगे बढ़ाता है स वह अर्धज्ञान, भ्रान्तियों, छळ और पाखंड से कोसों दूर होता है स उन्होंने ऐसे गुरु की विवेचना की स सृष्टि में ज्ञानी मनुष्यों के अतिरिक्त अन्य प्राणी ——पशु पक्षी और वृक्ष आदि भी शिक्षा के स्त्रोत हैं स उनसे साधारण मानव बहुत कुछ सीख सकता है स साथ ही सच्चे गुरु के चयन की प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हुए स्वामी विरजानद और उनके शिष्य महर्षि दयानन्द का उदाहरण प्रस्तुत किया स आजकल अनेक मनुष्य अपनी भौतिक इच्छाओं की पूर्ति के लिए ही भटकते हैं और ढोंगी बाबाओं के पास पहुँच कर अपनी हानि करते हैं स सामान्य मनुष्य को अपने विवेक को बलवान और प्रबल बनाने पर ज़ोर दिया, जिससे दुष्ट और पाखंडी तथाकथित गुरुओं से बच सके स सच्चे गुरु मनुष्य हो सकते हैं जिनमें विद्वान, आप्त पुरुष सम्मिलित हैं स सच्चा गुरु धर्मज्ञ और निस्वार्थी होता है स वह अपने शिष्य को धर्म के मार्ग पर चलाकर उसका कल्याण करता है स ईश्वर की ओर संकेत करते हुए कहा कि वह सर्वोच्च सच्चा गुरु है क्योंकि वह गुरुओं का गुरु है स उसका मार्गदर्शन हमें अपने अन्तःकरण में मिलता रहता है स हमें उसके संकेत और सन्देश ग्रहण करने चाहियें स उसके साथ उपासना पद्धति से अपना जोड़ जोड़े रखना चाहिए स सच्चे गुरु की विवेचना में आर्ष ग्रंथों की चर्चा भी की और उन्हें गुरु रूप बताया स सच्चे गुरु की विस्तृत व्याख्या करते हुए, उसकी पहचान कीसही कसौटी प्रस्तुत की। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के अध्यक्ष अनिल आर्य ने संचालन करते हुए कहा कि हम एक मटका भी लेते है तो ठोक बजा कर देखते तो गुरु भी सोच विचार परख कर बनाना चाहिए। मुख्य अतिथि शिक्षा विद जगदीश पाहुजा व अरुण आर्य(प्रधानाचार्य डी ए वी स्कूल झंडेवालान) ने भी महर्षि दयानंद जी को सच्चा गुरु बताया कि जो केवल समाज के लिए कार्य करते है। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने विज्ञापन गुरुओं से सावधान रहने का आह्वान किया।

आर्य चिंतन गोष्ठी सम्पन्न

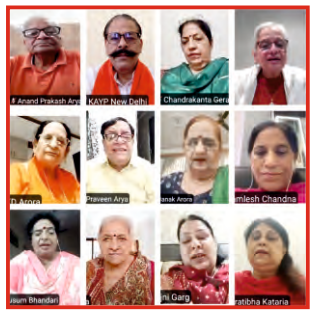

शुक्रवार 22 जुलाई 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में ''आर्य चिन्तन गोष्ठी'' का आयोजन ऑनलाइन किया गया। यह करोना काल में 421 वां वेबिनार था। शिक्षाविद चन्द्रकांता गेरा (प्रधानाचार्य,आर्य इंटर कालेज कानपुर) ने कहा कि आर्य समाज व्यक्ति की निराशा हताशा को दूर करके आशा का संचार करता हैप्आर्य समाज का चिंतन दिशा व दशा को बदलता है।आज महिलाओं को समानता के जो अधिकार मिले हैं वह महर्षि दयानन्द जी का ही प्रताप हैप्उन्होंने कहा कि जीवन में सभी सुख चाहते हैं इसके लिए वेद मार्ग पर चलना होगा।महर्षि दयानन्द जी ने भी वेदों की और लौटो यही आह्वान किया है।आर्य समाज ऐसा दीपक है जो सत्य की राह पर चलना सिखाता है, आओ वेदों की और लौटे व सच्चा सुख प्राप्त करें। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आर्य समाज जीवन जीने की कला सिखाता है जो भी इसके पास आया वह पारसमणि बन गया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि आर्य समाज से जुड़ने के बाद व्यक्ति पाखंड,अंधविश्वास व बाबाओं के चक्कर में नहीं फंसता उसमें तर्क शक्ति का विकास होता है।

'कर्मों की उड़ान' पर आर्य गोष्ठी सम्पन्न

बुधवार 27 जुलाई 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'कर्मो की उड़ान' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल में 423 वां वेबिनार था। मुख्य वक्ता योगाचार्या अनिता रेलन ने कहा कि कर्म एक ऐसा विश्वास और एक ऐसी धारणा है जिसमें सभी आर्थिक घटनाएं नियति कार्यकर्ताओं द्वारा निर्धारित किए होते हैं जो भविष्य में सभी जनों को प्रभावित करते हैं एक ऐसी उड़ान जो आकाश में उड़ती उस पतंग की तरह हैं जो कर्म और अकर्म के मध्य झूलती है। कर्म शब्द का उपयोग वस्तुतः अलग–अलग जगहों पर अपने अपने तरीके से होता है कर्म के बारे में अलग–अलग विचार कोई कहता है विचारों शब्दों क्रियाओं के फलों को जानकर जो कार्य किए जाते हैं वह कर्म है,अच्छे कर्म से ही समाज की व्यवस्था सुचारू रूप से चलती है तभी राष्ट्र समृद्ध बनता है और सम्मान पाता है। उन्होंने बताया कर्म प्रधान विश्व रचि राखा जो जस करहिं सो तस पंचाका ही संसार का विधान है कह देना बोया पेड़ बबूल का आम कहां से पाए?इसकी साथी कर्म की गति बड़ी महान है।उन्होंने कर्म की गति के बारे में विस्तार से बताया महापुरुषों के उदाहरण देते हुए बताया कुछ छोटी–छोटी कथाओं के द्वारा विश्लेषक किया भागवत गीता के अनुसार कर्म 6 प्रकार के हैं नित्य नैमित्तिक काम्या निष्काम कर्म निषिद्ध कर्म उन्होंने यह भी बताया कि शास्त्रों में तीन प्रकार के कर्मों के उल्लेख के बारे में जानकारी दी उन्होंने बोला है भगवान से ना डरो तो चलेगा पर अपने कर्मों से जरूर डरना चाहिए। राजा दशरथ के बारे में जानकारी दें सीता राम रावण बाल्मीकि जिन्होंने रत्नाकर डाकू के अभिशाप को झेला श्रीकृष्ण जी राम जी ने जब बाली को पेड़ के पीछे छुप कर मारा था उसके बारे में और वासुदेव का गांधारी द्वारा श्राप देना छोटी– छोटी पंक्तियों के द्वारा उन्होंने आज के विषय को और भी खूबसूरत बना दिया।कर्म करें किस्मत बने जीवन का यह खेल।महापुरुषों के वक्तव्य के द्वारा उन्होंने कर्म की उड़ान के बहुत सुंदर उदाहरण दिए भगवान बुद्ध कहते हैं अच्छे का परिणाम अच्छा और बुरे का बुरा कर्मों का फल सर्वशक्तिमान सर्वज्ञ सर्वव्यापक भगवान ही देते हैं और मनुष्य के सभी जीवो के मन वाणी और शरीर से किए जाने वाले सभी कर्मों को वह जानते हैं अतः आप जो भी कर्म करें उसमें अहंकार की भावना ना हो वह सब आप ईश्वर को अर्पित कर दें।विनोबा भावे जी महर्षि दयानंद जी स्वामी विवेकानंद जी गांधी पटेल बोस भगत टैगोर अब्दुल कलाम लाल बहादुर लाजपतराय गंगाधर राजगोपालाचारी मदर टेरेसा कस्तूरबा गुरु गोविंद राम जी और कृष्ण जी लता जी इन सब के बारे में इन सब के कर्मों के बारे में जिनकी वजह से वह जाने जाते हैं बहुत सुंदर उदाहरण देते हुए बताया इसमें एक विशेष बात की आचार्य पुलक सागर जो कहते हैं कि जितनी भी ऊपर महापुरुष हुए जितने भी महापुरुषों के बारे में जानकारी दी वह महान पैदा हुए थे ऐसा लोग कहते हैं ऐसा क्लास में पढ़ा जाता है शिक्षकों द्वारा बताया जाता है पर मेरा मानना है महान पैदा नहीं होता अपने कर्म से बनता है अभी हाल ही में हमारी द्वितीय महिला राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मू का उदाहरण देखिए मोदी जी का उदाहरण देखिए जिन्होंने अपने कर्मों द्वारा देश को कहां से कहां ले गए अतः कोई भी कार्य करें निस्वार्थ भाव से करें निष्काम सेवा दे गीता का यह श्लोक अक्सर सुनने में मिल जाता है कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन पर वहां यह भी तो सत्य है कर्म करो फल को ध्यान में रखते हुए भगवान से ना डरो तो चलेगा पर अपने कर्मों से जरूर डरो क्योंकि किए हुए कर्मों का फल तो भगवान को भी भोगना पड़ा खूबसूरत से उदाहरण से बताना चाहूंगी।एक बार एक वृद्ध को पेड़ लगाते देखा राजा ने वृद्ध को कहा फल निकलने तक तुम जीवित नहीं रहोगे तो इतना परिश्रम क्यों?देखे कितना खूबसूरत जवाब दिया मेरा काम है कर्म करते रहना फल किसी को अवश्य खाने को मिलेगा।निरंतर कर्म करने वाला उस दीपक के समान है जो स्वयं जलकर भी दूसरों को प्रकाश देता है उन्होंने यह भी बताया कि कई कर्म ऐसे होते हैं जो मनुष्य को बांधे रखते हैं वही पाप पुण्य के फेर में जिसमें वह मोह माया के जाल में फंस जाता है कोई भी कार्य करें या द्वेष लालच और पुरे होते शव को रखकर ना करें याद रहे अच्छे विचार से उत्पत्ति होती है और कर्म से आदत की,आदत से चरित्र की ओर चले पीछे भागेगी वर्तमान में जो भी हो रहा है वही तो कल की उत्पत्ति हैं वह अतीत के कर्मों का फल है जो हम पा रहे हैं या आज हम जो खुशहाल जिंदगी जी रहे हैं अतः वर्तमान में श्रेष्ठ का चयन करें जिससे भविष्य आपकी तरह श्रेष्ठ और खूबसूरत हो।कहते हैं श्रम कीजिए क्रमानुसार, फल खाइए कर्मा अनुसार। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि पुरुषार्थ ही इस दुनिया में सब कामना पूरी करता है। मुख्य अतिथि शशि चोपड़ा (कानपुर) व अध्यक्ष रजनी गर्ग ने निरंतर कर्मशील रहने का आह्वान किया।राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। गायक रविन्द्र गुप्ता,पिंकी आर्या, प्रवीना ठक्कर, कमलेश चांदना, कमला हंस,कौशल्या अरोड़ा, रजनी चुघ, सुनीता अरोड़ा, विजय वधावन,प्रतिभा कटारिया, चन्द्र कांता गेरा आदि के मधुर भजन हुए।

'मुक्ति के साधन' पर आर्य गोष्ठी सम्पन्न

सोमवार 18 जुलाई 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'मुक्ति के साधन' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल में 419 वां वेबिनार था। मुख्य वक्ता कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ. रामचंद्र ने मुक्ति के स्वरूप एवं उसके साधनों पर विस्तार से चर्चा की।उन्होंने कहा कि मुक्ति जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य है।मुक्ति की स्थिति में व्यक्ति सांसारिक दुखों से पूरी तरह मुक्त हो जाता है। मुक्ति की उच्चतम स्थिति को प्राप्त करने के लिए प्रतिदिन के हमारे क्रिया – कलाप की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।जब व्यक्ति प्रकृति के नियमों का पालन करता है तथा अधर्म, अविद्या,कुसंग एवं कुसंस्कारों से दूर रहता है इसके साथ साथ सत्य भाषण,परोपकार,विद्या एवं धर्म की वृद्धि का पूरी तन्मयता से प्रयास करता है तो उसका जीवन मुक्ति की ओर अग्रसर होता है। मुक्ति की इस साधना को प्राप्त करने के लिए ईश्वर की स्तुति, प्रार्थना एवं उपासना की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है।महर्षि दयानन्द सरस्वती के अमर ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश का सन्दर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि मुक्ति के साधनों के नियमित अभ्यास से हमारे नियमित जीवन के सभी प्रकार के क्लेश एवं तनाव पूरी तरह समाप्त हो जाते हैं।आज के समय में ईश्वर भक्ति का सच्चा स्वरूप समाप्त हो रहा है और केवल बाह्य आडम्बर बढ रहा है इसी कारण समाज में पारस्परिक अविश्वास और समस्याएं भी बढ रहीं हैं।अष्टांग योग की साधना का सच्चा साधक स्वयं भी प्रसन्न रहता है और समाज में भी निष्काम कर्म के द्वारा स्वस्थ वातावरण तैयार करता है।मुक्ति के साधनों में षट्क सम्पत्ति के रूप में शास्त्रों में वर्णित शम,दम, उपरति,तितिक्षा,श्रद्धा एवं समाधान की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि ईश्वर का सच्चा साधक पर्वत के समान कष्ट आने पर भी घबराता नहीं है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने संचालन करते हुए कहा कि निष्काम सेवा कर्म ही मुक्ति का प्रथम चरण है। मुख्य अतिथि आनन्द सिंह आर्य (करनाल) व अध्यक्ष रजनी चुघ ने भी मुक्ति के साधनों पर चर्चा की। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने वेदानुकूल जीवन पथ पर अग्रसर होते हुए परोपकार के कार्यों यज्ञ योग को मुक्ति का साधन बताया।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**, 2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 **मो.**: 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970